06.09.24 वकील प्रार्थी उप०, प्रार्थी स्वयं
भी उप० प्रार्थी ने जाहिर किया
कि हम उभय पक्षकारान की
आपस राजीनामा हो गया है।
प्रार्थना पत्र आगे नहीं चलाना
चाहते अतः प्रार्थना पत्र आज
की तारीख पेशी में लिया जाकर
विड्रा कार्यवाही जावे। प्रार्थना
पत्र से सम्बन्धित मूल वाद
भी वादी-प्रार्थी द्वारा विड्रा
किया जा चुका है। अब यह
प्रार्थना पत्र अप्रासंगिक हो गया है
अतः पत्रावली आज की तारीख
पेशी में ली जाकर इसी स्तर
पर विड्रा (खारिज) की जाती है।
पत्रावली फैसला शुमार हो
नम्बर से कम हो। पत्रावली
तरतीब तकमील जाता आफिस
दाखिल हो।

गोविन्द सैन A
हस्ताक्षर